Seventeenth Loksabha

>

Title: Request the government to re- include Pali language in Civil Service Examination conducted by UPSC.

डॉ. संघमित्रा मौर्या (बदायूं): माननीय अध्यक्ष जी, मैं पाली भाषा का विषय सदन में रखना चाहती हूं । पाली का इतिहास सबसे प्राचीन भाषा होने की पुष्टि करता है । ऐसी मान्यता है कि संस्कृत और पाली दोनों ही प्राचीन और समकालीन भाषाएं हैं । पाली भाषा का बृहद साहित्य है । पाली भाषा के लिखित प्रमाण लेख, शिलालेख, पाण्डुलिपियां आदि हैं । यहां तक कि सम्राट अशोक के शिलालेखों, स्तंभ में भी पाली भाषा का प्रयोग हुआ है । संघ लोक सेवा आयोग में सिविल सेवा की परीक्षा में पाली भाषा काफी लंबे समय से यानी वर्ष 2012 तक रही है, लेकिन नोटिफिकेशन संख्या 04/2013सीएसपी के अनुसार 5 मार्च, 2013 के आगामी वर्ष 2013 से इसे परीक्षा से हटा दिया गया है । संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सेवा परीक्षा से पाली भाषा के विषय को हटाया जाना भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त समानता और धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन करना है । लगभग 55 विश्वविद्यालयों में पाली और बौद्ध विषयों पर अध्ययन हो रहा है । विदेश को छोड़कर सिर्फ भारत में प्रतिवर्ष नेट और जेआरएफ की परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं । मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहती हूं कि सिविल सेवा परीक्षा में यह भाषा पुन: लाई जाए ।

माननीय अध्यक्ष: श्रीमती रेखा वर्मा और श्री जगदम्बिका पाल को डॉ. संघमित्रा मौर्या द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।